ओमप्रकाश नदीम की ग़ज़ल

By : INVC Team Published On : 28 Oct, 2013 02:19 PM IST

आज नहीं तो कल बदलेंगे मौसम के हालात कुछ तो हद है आख़िर कब तक होगी ये बरसात प्यार-मोहब्बत,इश्क़-ओ-वफ़ा के इंसानी जज़्बात मुफ़्त मिले हैं हमको, हम भी बाँटेंगे खैरात सूरज को गंदा करने का देख रहे हैं ख़्वाब आँधी के झोंके में ज़र्रे भूल गए औक़ात कुछ अंगारे इसने डाले कुछ डाले उसने मुझको जला कर सेंक रहे हैं दोनों अपने हाथ इस दुनिया में मैनें देखी हैं दो दुनियाएँ इक दुनिया में दिन होता है इक दुनिया में रात ओम प्रकाश नदीम , एकाउंट आफ़ीसर, लखनऊ निवासी – फतेहपुर उ. प्र.

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/ओमप्रकाश-नदीम-की-ग़ज़ल/

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.

www.internationalnewsandviews.com